मॉडल पेपर – 5

खण्ड-अ : वस्तुनिष्ठ प्रश्न

इतिहास, भूगोल, राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र एवं आपदा प्रबंधन

निर्देश : प्रश्न संख्या 1 से 80 तक के प्रत्येक प्रश्न के साथ चार विकल्प दिए गए हैं, जिनमें से एक सही है। किन्हीं 40 प्रश्नों का उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न के लिए 1 अंक निर्धारित है। अपने द्वारा चुने गए सही विकल्प को OMR शीट पर चिह्नित करें। $40 \times 1 = 40$

1. विश्व में सर्वप्रथम मुद्रण की शुरूआत कहाँ हुई ?
(a) भारत (b) जापान (c) चीन (d) अमेरिका

2. मेजनी का सम्बन्ध किस संगठन से था ?
(a) लाल सेना (b) कार्बोनरी
(c) फिलिक हेटारिया (d) डायट

3. बिस्मार्क निम्न में से क्या था ?
(a) कवि (b) नाटककार (c) संगीतज्ञ (d) कूटनीतिज्ञ

4. नरोत्तम सिहानुक कहाँ के शासक थे ?
(a) वियतनाम (b) कंबोडिया (c) लाओस (d) थाईलैंड

5. दास कैपिटल किसकी रचना है ?
(a) कार्लमार्क्स (b) लेनिन (c) बिस्मार्क (d) गाँधी

6. 'रक्त एवं लौह की नीति' का अवलम्बन किसने किया था ?
(a) बिस्मार्क (b) मेजिनी (c) हिटलर (d) विलियम प्रथम

7. ''द हिस्ट्री ऑफ द लौस ऑफ वियतनाम'' किसने लिखा ?
(a) हो-ची-मिन्ह (b) फॉन-बोई-चाऊ
(c) कुआंग (d) त्रियु

8. पूर्ण स्वराज की माँग का प्रस्ताव कांग्रेस के किस वार्षिक अधिवेशन में पारित हुआ था ?
(a) 1929 लाहौर (b) 1931 कराची
(c) 1933 कलकत्ता (d) 1937 बेलगाँव

9. कार्ल मार्क्स का जन्म कहाँ हुआ था ?
(a) इंग्लैंड (b) जर्मनी (c) इटली (d) रूस

10. जालियाँवाला बाग हत्याकांड कब हुआ था ?
(a) 6 अप्रैल, 1919 (b) 9 अप्रैल, 1919
(c) 13 अप्रैल, 1919 (d) 1 मई, 1919

11. बिहार की पहली रेल लाइन निम्न में से कौन थी ?
(a) मार्टीन लाइट रेलवे (b) इस्ट इंडिया रेलवे
(c) भारतीय रेल (d) बिहार रेल सेवा

12. कोयला किस प्रकार का संसाधन है ?
(a) अनवीकरणीय (b) नवीकरणीय
(c) जैव (d) अजैव

13. चिपको आंदोलन के प्रणेता हैं ?
(a) मेधा पाटेकर (b) महात्मा गाँधी
(c) सुन्दरलाल बहुगुणा (d) संदीप पांडेय

14. सोपानी कृषि किस राज्य में प्रचलित हैं ?
(a) हरियाणा (b) पंजाब
(c) बिहार का मैदानी क्षेत्र (d) उत्तराखंड

15. बिहार में रेलवे का एक मात्र मुख्यालय कहाँ है ?
(a) पटना (b) हाजीपुर (c) सोनपुर (d) समस्तीपुर

16. निम्नलिखित में खरीफ फसल कौन है ?
(a) गेहूँ (b) सरसों (c) चावल (d) मटर

17. काली मृदा का दूसरा नाम क्या है ?
(a) बलुई मृदा (b) रेगुर मृदा
(c) लाल मृदा (d) पर्वतीय मृदा

18. सीमेंट उद्योग का सबसे प्रमुख कच्चा माल क्या है ?
(a) ग्रेनाइट (b) बॉक्साइट (c) चूना-पत्थर (d) लौह-अयस्क

19. भारत के किस स्थान पर पहला परमाणु ऊर्जा केन्द्र स्थापित किया गया था ?
(a) कलपक्कम (b) नरोरा
(c) राणा प्रताप सागर (d) तारापुर

20. निम्न में से कौन-सा जानवर केवल भारत में ही पाया जाता है ?
(a) घड़ियाल (b) डॉलफिन (c) ह्वेल (d) कछुआ

21. पंचायती राज-व्यवस्था सर्वप्रथम भारत के किस राज्य से शुरूआत हुई ?
(a) राजस्थान (b) उत्तर प्रदेश (c) महाराष्ट्र (d) बिहार

22. बिहार में कितनी आबादी पर पंचायत समिति के एक सदस्य को चुने जाने का प्रावधान है ?
(a) पाँच हजार (b) सात हजार (c) नौ हजार (d) बारह हजार

23. इंगलैण्ड में महिलाओं को मताधिकार किस वर्ष प्राप्त हुआ ?
(a) 1918 (b) 1919 (c) 1995 (d) 1940

24. ग्राम पंचायत का सचिव कौन होता है ?
(a) उप मुखिया (b) सरपंच (c) पंचायत सचिव (d) दल पति

25. राजनीतिक दलों का गठन सर्वप्रथम किस देश में हुआ ?
(a) ब्रिटेन (b) भारत
(c) फ्रांस (d) संयुक्त राज्य अमेरिका

26. किस देश में बहुदलीय व्यवस्था नहीं है ?
(a) पाकिस्तान (b) भारत (c) बंगला देश (d) ब्रिटेन

27. भारत में कहाँ महिलाओं के लिए आरक्षण की व्यवस्था है ?
(a) लोकसभा (b) विधानसभा
(c) पंचायती राज व्यवस्था (d) मंत्रिमंडल

28. 'सूचना के अधिकार आंदोलन' की शुरूआत कहाँ से हुई ?
(a) राजस्थान (b) दिल्ली (c) तमिलनाडु (d) बिहार

29. जब हम लैंगिक विभाजन की बात करते हैं तो हमारा अभिप्राय होता है–
(a) स्त्री और पुरुष के बीच जैविक अंतर
(b) समाज द्वारा स्त्रियों और पुरुषों को दी गई असमान भूमिकाएँ
(c) बालक और बालिकाओं की संख्या का अनुपात
(d) लोकतांत्रिक व्यवस्था में महिलाओं को मतदान अधिकार न मिलना

30. बिहार के किस जिले का प्रति-व्यक्ति आय सर्वाधिक है ?
(a) पटना (b) गया (c) शिवहर (d) नालन्दा

31. राष्ट्रीय आय जाना जाता है–
(a) आय गणना विधि (b) उत्पादन गणना विधि
(c) व्यावसायिक गणना विधि (d) उपरोक्त सभी के द्वारा

32. विनिमय के स्वरूप के भाग हैं–
(a) एक (b) दो (c) तीन (d) चार

33. रूस की मुद्रा है–
(a) रूबल (b) डॉलर (c) रियान (d) पॉण

34. साख का संबंध है–
(a) गरीबी से (b) उधार से
(c) इनमें से कोई नहीं (d) विश्वास से

35. भारत में वित्तीय वर्ष कहा जाता है :
(a) 1 जनवरी से 31 दिसम्बर तक (b) 1 जुलाई से 30 जून तक
(c) 1 अप्रैल से 31 मार्च तक (d) 1 सितम्बर से 31 अगस्त तक

36. इनमें से किसे पिछड़ा राज्य कहा जाता है ?
(a) पंजाब (b) केरल (c) बिहार (d) दिल्ली

37. ''डेबिट कार्ड'' संबंधित है
(a) ए टी एम प्रणाली से (b) कोर बैंकिंग प्रणाली से
(c) बैंकिंग प्रणाली से (d) इनमें से कोई नहीं

38. ''गरीबी कैन्सर रोग की तरह है।'' किसने कहा है ?
(a) अर्थशास्त्र कुजनेट (b) अर्थशास्त्री मेड्डीसन
(c) प्रो. लेविस (d) इनमें से कोई नहीं

39. निम्न में से कौन मानव जनित आपदा नहीं है ?
(a) साम्प्रदायिक दंगा (b) आतंकवाद
(c) रेल दुर्घटना (d) इनमें से कोई नहीं

40. संचार का सबसे लोकप्रिय साधन क्या है ?
(a) सार्वजनिक टेलीफोन (b) रेडियो
(c) वॉकी-टॉकी (d) मोबाइल फोन

41. टाटा आयरन एण्ड स्टील कम्पनी की स्थापना की गई–
(a) 1854 में (b) 1907 में (c) 1915 में (d) 1923 में

42. किसने कहा–''संसाधन होते नहीं, बनते हैं।'' ?
(a) जिम्मरमैन (b) महात्मा गांधी
(c) संदीप पांडेय (d) इनमें से कोई नहीं

43. इनमें से कौन-सा संस्थागत वित्त का साधन है ?
(a) सेठ-साहूकार (b) रिश्तेदार
(c) व्यावसायिक बैंक (d) इनमें से कोई नहीं

44. राष्ट्रीय विकास परिषद् का गठन कब हुआ था–
(a) 1950 (b) 1951 (c) 1952 (d) इनमें से कोई नहीं

45. सविनय अवज्ञा आंदोलन किस यात्रा से शुरू हुआ ?
(a) 1920, भुज (b) 1930, अहमदाबाद
(c) 1930, दांडी (d) इनमें से कोई नहीं

46. निम्न में से किसको प्राथमिक क्षेत्र कहा जाता है ?
(a) सेवा क्षेत्र (b) कृषि क्षेत्र
(c) औद्योगिक क्षेत्र (d) इनमें से कोई नहीं

47. प्राथमिक ऊर्जा का उदाहरण कौन-सा नहीं है ?
(a) कोयला (b) विद्युत (c) पेट्रोलियम (d) प्राकृतिक गैस

48. संचार का सबसे लोकप्रिय साधन है–
(a) सार्वजनिक टेलीफोन (b) मोबाईल
(c) रेडियो (d) इनमें से कोई नहीं

49. जवाहर रोजगार योजना लागू हुई–
(a) 1988 (b) 1989 (c) 1990 (d) 1991

50. काली मिट्टी उपयुक्त है–
(a) कपास के लिए (b) लीची के लिए
(c) गेहूँ के लिए (d) बाजरा के लिए

51. दाल किस पौष्टिक अंश का स्रोत है ?
(a) कार्बोहाइड्रेट (b) प्रोटीन (c) विटामिन-D (d) वसा

52. भारत सरकार ने सूचना का आधिकार अधिनियम कब पारित किया ?
(a) 2004 (b) 2005 (c) 2006 (d) 2007

53. भारत में कितने राष्ट्रीयकृत बैंक हैं ?
(a) 14 (b) 19 (c) 20 (d) 27

54. भारतीय जनता पार्टी का चुनाव चिन्ह क्या है ?
(a) हाथ का पंजा (b) कमल का फूल
(c) गेंदा का फूल (d) चक्र

55. मानव पूँजी के मुख्य घटक हैं–
(a) ज्ञान (b) कौशल (c) अनुभव (d) इनमें से सभी

56. कार्ल मार्क्स का जन्म कहाँ हुआ था ?
(a) जर्मनी (b) इंग्लैंड (c) फ्रांस (d) पोलैंड

57. सेफ्टी लैम्प का आविष्कार किसने किया था ?
(a) क्रॉम्पटर (b) हारग्रीव्स (c) हंफ्री डेवी (d) जॉन के

58. नोबेल पुरस्कार से सम्मानित बांग्लादेशी अर्थशास्त्री है–
(a) प्रो० इकबाल युनुस (b) मो० इकबाल युनुस
(c) प्रो० मो० युनस (d) मो० शफीक युनुस

59. 'यूरोप का मरीज' किसे कहा जाता था ?
(a) तुर्की (b) इटली (c) इंग्लैंड (d) फ्रांस

60. लिच्छवि गणतंत्र भारत के किस राज्य में अवस्थित था ?
(a) बिहार (b) राजस्थान (c) महाराष्ट्र (d) त्रिपुरा

61. भारत में अत्यन्त विनाशकारी भूकम्प आया था–
(a) 1934 में (b) 1948 में (c) 1967 में (d) 1990 में

62. निम्न में से कौन विदेशी ब्रांड नहीं है ?
(a) हुंडई (b) टोवोटा (c) फोर्ड (d) टाटा

63. सर्वाधिक वर्षा होती है–
(a) पूर्णियाँ में (b) चेरापूँजी में (c) कोच्चि में (d) मावसिनराम में

64. भारत में योजना आयोग का गठन कब किया गया था ?
(a) 15 मार्च, 1950 (b) 15 सितम्बर, 1950
(c) 15 अक्टूबर, 1951 (d) इनमें से कोई नहीं

65. ब्रह्म समाज की स्थापना किसने की ?
(a) राजा राममोहन राय (b) दयानन्द सरस्वती
(c) विवेकानंद (d) रामकृष्ण परमाहंस

66. 16वीं लोकसभा में महिला सदस्यों की संख्या कितनी है ?
(a) 61 (b) 63 (c) 65 (d) 67

67. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना कब हुई–
(a) 1885 (b) 1890 (c) 1895 (d) 1900

68. 'हिन्दुस्तान रिव्यू' का प्रकाशन किसने आरम्भ किया ?
(a) रामकृष्ण वर्मा (b) श्री कृष्ण सिंह
(c) मजहरुल हक (d) सच्चिदानंद सिन्हा

69. सोलहवीं लोकसभा का चुनाव किस वर्ष हुआ ?
(a) 2012 (b) 2013 (c) 2014 (d) 2015

70. नरेगा के अंतर्गत ग्रामीण मजदूरों को साल में कम-से-कम कितने दिनों के लिए रोजगार देने की व्यवस्था है ?
(a) 100 दिनों के लिए (b) 125 दिनों के लिए
(c) 150 दिनों के लिए (d) 200 दिनों के लिए

71. इनमें से कौन-सा सबसे लम्बा राष्ट्रीय राजमार्ग है ?
(a) राजमार्ग संख्या-2 (b) राजमार्ग संख्या-3
(c) राजमार्ग संख्या-5 (d) राजमार्ग संख्या-7

72. नेपानगर प्रसिद्ध है–
(a) चीनी के लिए (b) सीमेंट के लिए
(c) अखबारी कागज के लिए (d) सूती कपड़ों के लिए

73. निम्नलिखित में से कौन-सा उद्योग कृषि पर आधारित नहीं है ?
(a) सूती वस्त्र (b) सीमेंट (c) चीनी (d) जूट

74. कागज का आविष्कार किस देश में हुआ ?
(a) चीन (b) जर्मनी (c) जापान (d) रोम

75. भारत का सबसे बड़ा बन्दरगाह है–
(a) मुंबई (b) चेन्नई (c) कोलकाता (d) कांडला

76. पटना में गोलघर किस उद्देश्य से बनाया गया था ?
(a) सैनिक रखने के लिए (b) अस्त्र-शस्त्र रखने के लिए
(c) अनाज रखने के लिए (d) पूजा करने के लिए

77. अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक संगठन की स्थापना किस वर्ष हुई ?
(a) 1917 (b) 1919 (c) 1921 (d) 1923

78. विश्व-व्यापार संगठन (WTO) की स्थापना कब हुई ?
(a) 1992 (b) 1993 (c) 1994 (d) 1995

79. इनमें से कौन-सी प्राथमिक ऊर्जा नहं है ?
(a) प्राकृतिक गैस (b) पेट्रोलियम (c) विद्युत (d) कोयला

80. गाँधी जी ने साबरमती आश्रम की स्थापना किस वर्ष की ?
(a) 1895 (b) 1900 (c) 1915 (d) 1916

उत्तर (Answers)

1.	ⓐ	ⓑ	●	ⓓ	2.	ⓐ	●	ⓒ	ⓓ
3.	ⓐ	ⓑ	ⓒ	●	4.	ⓐ	●	ⓒ	ⓓ
5.	●	ⓑ	ⓒ	ⓓ	6.	●	ⓑ	ⓒ	ⓓ
7.	ⓐ	●	ⓒ	ⓓ	8.	●	ⓑ	ⓒ	ⓓ
9.	ⓐ	●	ⓒ	ⓓ	10.	ⓐ	ⓑ	●	ⓓ
11.	ⓐ	●	ⓒ	ⓓ	12.	●	ⓑ	ⓒ	ⓓ
13.	ⓐ	ⓑ	●	ⓓ	14.	ⓐ	ⓑ	ⓒ	●
15.	ⓐ	●	ⓒ	ⓓ	16.	●	ⓑ	ⓒ	ⓓ
17.	ⓐ	●	ⓒ	ⓓ	18.	●	ⓑ	ⓒ	ⓓ
19.	ⓐ	ⓑ	ⓒ	●	20.	ⓐ	●	ⓒ	ⓓ
21.	●	ⓑ	ⓒ	ⓓ	22.	●	ⓑ	ⓒ	ⓓ
23.	●	ⓑ	ⓒ	ⓓ	24.	ⓐ	ⓑ	●	ⓓ
25.	●	ⓑ	ⓒ	ⓓ	26.	ⓐ	ⓑ	ⓒ	●
27.	ⓐ	ⓑ	●	ⓓ	28.	●	ⓑ	ⓒ	ⓓ
29.	●	ⓑ	ⓒ	ⓓ	30.	●	ⓑ	ⓒ	ⓓ
31.	ⓐ	ⓑ	ⓒ	●	32.	ⓐ	●	ⓒ	ⓓ
33.	●	ⓑ	ⓒ	ⓓ	34.	ⓐ	ⓑ	ⓒ	●
35.	ⓐ	ⓑ	●	ⓓ	36.	ⓐ	ⓑ	●	ⓓ
37.	ⓐ	ⓑ	●	ⓓ	38.	●	ⓑ	ⓒ	ⓓ
39.	ⓐ	ⓑ	ⓒ	●	40.	●	ⓑ	ⓒ	ⓓ
41.	ⓐ	●	ⓒ	ⓓ	42.	●	ⓑ	ⓒ	ⓓ
43.	ⓐ	ⓑ	●	ⓓ	44.	ⓐ	ⓑ	●	ⓓ
45.	ⓐ	ⓑ	●	ⓓ	46.	ⓐ	●	ⓒ	ⓓ
47.	ⓐ	●	ⓒ	ⓓ	48.	ⓐ	ⓑ	●	ⓓ
49.	ⓐ	●	ⓒ	ⓓ	50.	●	ⓑ	ⓒ	ⓓ
51.	ⓐ	●	ⓒ	ⓓ	52.	ⓐ	●	ⓒ	ⓓ
53.	ⓐ	ⓑ	ⓒ	●	54.	ⓐ	●	ⓒ	ⓓ
55.	ⓐ	ⓑ	ⓒ	●	56.	●	ⓑ	ⓒ	ⓓ
57.	ⓐ	ⓑ	●	ⓓ	58.	ⓐ	ⓑ	●	ⓓ
59.	●	ⓑ	ⓒ	ⓓ	60.	●	ⓑ	ⓒ	ⓓ
61.	●	ⓑ	ⓒ	ⓓ	62.	ⓐ	ⓑ	ⓒ	●
63.	ⓐ	ⓑ	ⓒ	●	64.	●	ⓑ	ⓒ	ⓓ
65.	●	ⓑ	ⓒ	ⓓ	66.	●	ⓑ	ⓒ	ⓓ
67.	●	ⓑ	ⓒ	ⓓ	68.	ⓐ	ⓑ	ⓒ	●
69.	ⓐ	ⓑ	●	ⓓ	70.	●	ⓑ	ⓒ	ⓓ
71.	ⓐ	ⓑ	ⓒ	●	72.	ⓐ	ⓑ	●	ⓓ
73.	ⓐ	●	ⓒ	ⓓ	74.	●	ⓑ	ⓒ	ⓓ
75.	ⓐ	ⓑ	●	ⓓ	76.	ⓐ	ⓑ	●	ⓓ
77.	ⓐ	●	ⓒ	ⓓ	78.	ⓐ	ⓑ	ⓒ	●
79.	ⓐ	ⓑ	●	ⓓ	80.	ⓐ	ⓑ	ⓒ	●

खण्ड-ब : विषयनिष्ठ प्रश्न

इतिहास

प्रश्न संख्या 1 से 6 तक लघु उत्तरीय कोटि के प्रश्न हैं। इनमें से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक निर्धारित हैं।
$3 \times 2 = 6$

प्रश्न 1. किन तीन प्रक्रियाओं द्वारा आधुनिक शहरों की स्थापना निर्णायक रूप से हुई ?

उत्तर–निम्नांकित तीन प्रक्रियाओं द्वारा आधुनिक शहरों की स्थापना निर्णायक रूप से हुई–

(i) औद्योगिक पूँजीवाद का उदय, (ii) विश्व के विशाल भू-भाग पर औपनिवेशिक शासन की स्थापना, (iii) लोकतांत्रिक आदर्शों का विकास।

प्रश्न 2. हिन्द-चीन में फ्रांसीसियों द्वारा उपनिवेश स्थापना के किन्हीं तीन उद्देश्यों का उल्लेख करें।

उत्तर–हिन्द-चीन में फ्रांसीसियों द्वारा उपनिवेश स्थापना के तीन उद्देश्य इस प्रकार हैं–(i) डच एवं ब्रिटिश कम्पनियों की व्यापारिक प्रतिस्पर्धा को कम करना। (ii) औद्योगिकीकरण हेतु कच्चे माल प्राप्त करने के लिए। (iii) विस्तृत बाजार में अपने द्वारा उत्पादित सामान को बेचने के लिए।

प्रश्न 3. भूमण्डलीकरण में बहुराष्ट्रीय कम्पनियों की भूमिका को स्पष्ट करें।

उत्तर–1980 के दशक में सं. रा. अमेरिका आर्थिक रूप से कमजोर हो रहा था। धीरे-धीरे वह सम्पूर्ण विश्व के अर्थतंत्र का नियामक हो गया। इस प्रभाव को कम करने में विश्व बैंक, अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, 1995 में अस्तित्व में आया। विश्व व्यापार संस्था, पूँजीवादी देशों की बड़ी व्यापारिक और औद्योगिक बहुराष्ट्रीय कम्पनियों ने गिरती अर्थव्यवस्था में जान फूँक दी। फलस्वरूप अमेरिका पुनः आर्थिक रूप से समृद्ध देश बन बैठा।

प्रश्न 4. रॉलेट एक्ट क्या था ?

उत्तर–न्यायाधीश सिडनी रॉलेट की अध्यक्षता में क्रांतिकारी विरोधी एक अराजकतापूर्ण अधिनियम बनाया गया। इसे रॉलेट ऐक्ट कहा जाता है। इसके द्वारा किसी व्यक्ति को बिना साक्ष्य, वारंट के कहीं भी, किसी समय गिरफ्तार कर सजा दी जाती थी।

प्रश्न 5. पाण्डुलिपि क्या है ? इसकी क्या उपयोगिता है ?

उत्तर–कागज एवं छापाखाना का ज्ञान होने के पूर्व भारत में लोग भोजपत्र, ताड़पत्र एवं हस्त निर्मित कागज पर हाथ से लिखते थे। यह रचना

पाण्डुलिपि कहलाई। पांडुलिपि द्वारा हम अपने ज्ञान को सुरक्षित रख पाए और पीढ़ी दर पीढ़ी बढ़ाते गए।

प्रश्न 6. पूँजीवाद क्या है ?

उत्तर–पूँजीवाद ऐसी राजनैतिक आर्थिक व्यवस्था है जिसमें निजी सम्पत्ति तथा निजी लाभ की अवधारणा को मान्यता दी जाती है। यह सार्वजनिक क्षेत्र में विस्तार एवं आर्थिक गतिविधियों में सरकारी हस्तक्षेप का विरोध करती है।

प्रश्न संख्या 7 से 8 तक दीर्घ उत्तरीय कोटि के प्रश्न हैं। इनमें से किन्हीं 1 प्रश्नों के उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न के लिए 4 अंक निर्धारित हैं। $1 \times 4 = 4$

प्रश्न 7. आज के परिवर्तनकारी युग में प्रेस की भूमिका पर आलोचनात्मक टिप्पणी करें।

उत्तर–वैश्विक स्तर पर मुद्रण अपने आदिकाल से भारत में स्वाधीनता आंदोलन तक भिन्न-भिन्न परिस्थितियों से गुजरते हुए आज अपनी उपादेयता (महत्व या उपयोगिता) के कारण ऐसी स्थिति में पहुँच गया है कि इसमें ज्ञान जत् की हर गतिविधियाँ प्रभावित हो रही हैं। आज पत्रकारिता, साहित्य, मनोरंजन, ज्ञान-विज्ञान, प्रशासन, राजनीति आदि को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित कर रहा है।

आज के इस आधुनिक दौर में प्रेस, साहित्य और समाज की समृद्धि चेतना की, धरोहर है और पत्र-पत्रिकाएँ दैनिक गतिशीलता की लेखा है। स्वातंत्र्योत्तर भारत में पत्र-पत्रिकाओं का उद्देश्य भले ही व्यावसायिक रहा हो किन्तु इसने साहित्यिक एवं सांस्कृतिक अभिरुचि जगाने का महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया है। पत्र-पत्रिकाओं ने दिन-प्रतिदिन घटनेवाली घटनाओं के परिप्रेक्ष्य में नई और सहज शब्दावली का प्रयोग करते हुए भाषाशास्त्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। प्रेस ने समाज में नवचेतना पैदा कर सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक एवं दैनिक जीवन में क्रांति का सूत्रपात किया। प्रेस ने सदैव सामाजिक बुराइयों, जैसे-दहेज प्रथा, विधवा विवाह, बालिका-बध, बाल-विवाह जैसे मुद्दों को उठाकर समाज की कुप्रथाओं को दूर करने में मदद की तथा व्याप्त अंधविश्वास को दूर करने का प्रयास किया।

आज के परिवर्तनकारी युग में प्रेस स्वस्थ-मनोविनोद का भी स्रोत बन गया है। आज की भागदौड़ एवं तनावपूर्ण जीवन शैली में भी प्रेस सिनेमा से लेकर खेलकूद से संबंधित समाचार को प्रमुखता से छापकर पाठकों का मनोरंजन करती है। प्रेस पारस्परिक गपशप, हास-परिहास, व्यंग्य-विनोद, प्रश्नोत्तर, फूलझड़ी, कहकहों से लेकर काँव-काँव के माध्यम से समाज को सूक्ष्म संदेश तो देती ही है, मनोरंजन भी करती है।

आज प्रेस समाज में रचनात्मकता का प्रतीक भी बनता जा रहा है। यह समाज को नित्य प्रति की उपलब्धियों, वैज्ञानिक अनुसंधानों, वैज्ञानिक उपकरणों एवं साधनों से परिचित कराता है। पत्रकार, विज्ञान के वरदान और अभिशाप को घटनाओं के माध्यम से समाज के सामने लाते हैं। ताकि सामान्य लोग भी विश्व कल्याण के संदर्भ में सोच सकें।

आज प्रेस लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ के रूप में लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करने हेतु सजग प्रहरी के रूप में हमारे सामने खड़ा है। यह वर्तमान राजनीति को सकारात्मक दिशा प्रदान करने के साथ-साथ भ्रष्टतंत्र पर करारा प्रहार करने का भी प्रयास करता है।

इस तरह हम देखते हैं कि प्रेस अपने विकास के प्रथम चरण में आज भिन्न-भिन्न परिस्थितियों से गुजरते हुए समस्त परम्पराओं एवं मूल्यों का रक्षक तथा वर्तमान सामाजिक वैज्ञानिक एवं राजनीतिक गतिविधियों को समझने एवं जानने के मुख्य स्रोत के रूप में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

प्रश्न 8. औद्योगीकरण के परिणामस्वरूप होनेवाले परिवर्तनों पर प्रकाश डालें।

उत्तर–सन् 1850 से 1950 ई. के बीच भारत में वस्त्र उद्योग, लौह उद्योग, सीमेंन्ट उद्योग, कोयला उद्योग जैसे कई उद्योगों का विकास हुआ। जमशेदपुर, सिन्दरी, धनबाद तथा डालमियानगर आदि नए व्यापारिक नगर तत्कालीन बिहार राज्य में कायम हुए। बड़ी-बड़ी फैक्टरियों का कायम हो जाने से प्राचीन गृह उद्योग का पतन आरम्भ हो गया। हाथ से तैयार किया माल महंगा पड़ने लगा, उसकी बिक्री खत्म होने लगी, नतीजा यह हुआ कि प्राचीन उद्योगों का लोप होने लगा।

औद्योगीकरण के परिणामस्वरूप इंगलैंड में हाथ के करघे से काम करने वाले पुराने बुनकरों की तबाही के साथ-साथ विकल्प के रूप में उस स्तर से किसी नए उद्योग का विकास नहीं हुआ। दामा, मुर्शिदाबाद सूरत आदि का औद्योगीकरण का बुरा प्रभाव पड़ा।

औद्योगीकरण के परिणामस्वरूप बड़े पैमाने पर उत्पादन होना शुरू हो गया, जिसकी खपत के लिए यूरोप में उपनिवेशों की होड़ शुरू हो गयी और आगे चलकर इस उपनिवेशवाद ने साम्राज्यवाद का रूप ले लिया।

औद्योगीकरण के फलस्वरूप ब्रिटिश सहयोग से भारत के उद्योग में पूँजी लगाने वाले उद्योगपति पूँजीपति बन गए। औद्योगीकरण ने एक नए तरह के मजदूर वर्ग को भी जन्म दिया।

राजनीति विज्ञान

प्रश्न संख्या 9 से 14 तक लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। इनमें से किन्हीं दो कम उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक निर्धारित हैं। $2 \times 2 = 4$

प्रश्न 9. भारतीय लोकतंत्र कितना सफल है ?

उत्तर–भारतीय लोकतंत्र अपनी जनता की अपेक्षाओं के अनुकूल है। वह जनसुविधाओं पर ध्यान दे रहा है। अतः भारतीय लोकतंत्र शत-प्रतिशत सफल है।

प्रश्न 10. आतंकवाद लोकतंत्र की चुनौती है। कैसे ?

उत्तर–आतंकवाद के कारण शांति भंग हो जाती है। विकास दर रूक जाती है। देश में अराजकता की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। अतः आतंकवाद लोकतंत्र के लिए चुनौती है।

प्रश्न 11. चिपको आन्दोलन के मुख्य उद्देश्य क्या थे ?

उत्तर–चिपको आंदोलन के मुख्य उद्देश्य–(i) वन संपदा की सुरक्षा। (ii) वन्य जीव की सुरक्षा। (iii) मिल मालिकों के शोषण से मुक्ति।

प्रश्न 12. पंचायती राज क्या है ?

उत्तर–ग्रामीण स्थानीय सरकार पंचायती राज के नाम से जानी जाती हैं।

महत्व–(i) यह लोगों को निर्णय लेने में सीधे रूप से भाग लेने में मदद करता है।

(ii) यह सत्ता के विकेंद्रीकरण में मदद करती है।

(iii) यह केंद्र सरकार के काम के दबाव को कम करता है।

प्रश्न 13. दबाव-समूह की परिभाषा दें।

उत्तर–विभिन्न पेशाओं और व्यवसाय से जुड़े लोग अपने-अपने हित समूहों का अर्थात् संघ का गठन करते हैं। ऐसे समूह अपने-अपने हितों की पूर्ति के लिए संघर्ष करते रहते हैं और अपने हित में निर्णय लेने के लिए सरकार पर दबाव बनाते हैं और सरकार के निर्णय को प्रभावित करते हैं।ऐसे समूहों को ही दबाव समूह कहते हैं। जैसे-किसान मोर्चा, व्यापार मंडल, मजदूर संघ, कर्मचारी संघ आदि।

प्रश्न 14. संघीय शासन की दो विशेषताएँ बताएँ।

उत्तर–संघीय शासन की दो विशेषताएँ निम्नलिखित हैं–(i) सत्ता का विकेन्द्रीकरण (ii) सत्ता का संविधान द्वारा स्पष्ट बँटवारा।

निर्देश :–प्रश्न संख्या 15 एवं 16 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न है। किसी एक का उत्तर दें ? प्रत्येक प्रश्न के लिए 4 अंक निर्धारित हैं। 1 × 4 = 4

प्रश्न 15. परिवारवाद और जातिवाद बिहार में किस तरह लोकतंत्र को प्रभावित किया है ?

उत्तर–किसी जनप्रतिनिधि द्वारा खाली हुई सीट पर उसके ही किसी परिजन को बैठाने का प्रयास परिवारवाद कहलाता है। किसी व्यक्ति-विशेष का राजनीति में आ जाने के बाद उसके परिजनों का राजनैतिक सितारा मेधा के कारण नहीं, बल्कि उसके परिवार के प्रथम राजनीतिक व्यक्ति के कारण चमकने लगना ही परिवारवाद है। बिहार भी इससे अछूता नहीं है। बिहार के अधिकांश राजनीतिक दलों में परिवारवादी प्रवृत्ति पायी जाती है। बिहार में परिवारवाद के घातक परिणाम उन्हीं राजनेताओं को झेलने पड़े जिन्होंने परिवारवाद को प्रोत्साहित किया था। परिवारवाद से राजनैतिक भ्रष्टाचार तो बढ़ता ही है, अपराधिक प्रवृत्ति भी बढ़ती है। परिवारवाद एक राजनैतिक चुनौती है इसे स्वीकारते हुए राजनैतिक दल चुनावों में इस आधार पर टिकट बँटवारे को नकारते रहते हैं किन्तु अन्ततः स्थिति जस-की-तस बनी रह जाती है। बिहार विधान सभा चुनाव 2010 में परिवारवादी पार्टियों को जनता ने नकार दिया।

प्रश्न 16. बिहार के विकास में महिलाओं के योगदान का उल्लेख करें।

उत्तर–लोकतंत्र की सर्वमान्य परिभाषा के संदर्भ में कहा जा सकता है कि लोकतंत्र में जनता के इर्द-गिर्द ही यह व्यवस्था घूमती रहती है। आम-आवाम में प्रायः महिलाओं की संख्या लगभग आधी होती है। अतः यदि जनतंत्र में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित नहीं की जाती है तो अर्द्ध-लोकतांत्रिक व्यवस्था का निर्माण हो जाएगा। स्वाभाविक है इनकी भागीदारी और हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति में महिलाओं की निरक्षरता दूर करने, शिक्षा और आनेवाली बाधाओं का निराकरण करने तथा इन्हें प्रारंभिक शिक्षा में बनाए रखने के लिए संवैधानिक प्राथमिकताएँ तय की गईं। बिहार में स्थानीय स्वशासन यथा पंचायतों से जिला परिषद् तक में महिलाओं का आरक्षण दिया गया। आरक्षण का लाभ महिलाओं को मिला भी। स्थानीय स्वशासन में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ गया। महिला लोकतांत्रिक व्यवस्था में प्रत्यक्ष हिस्सेदार बन गईं। अब मुखिया पति (ए.पी.) या मुखिया पुत्र (एम.पी) ही अधिकांश महिला प्रतिनिधियों के कामकाज देखने लग गए हैं। आज एम.पी. का अर्थ मुखिया पति अथवा मुखिया पुत्र हो गया है।

आज महिलाओं का योगदान राष्ट्र या राज्य के आर्थिक, सामाजिक, राजनैतिक क्षेत्र में बहुत अधिक है। खेतों में महिलाओं का योगदान जगजाहिर है। बगैर महिला कर्मियों की भारतीय कृषि सम्भव नहीं। आज वायुयान से अंतरिक्ष तक में महिलाओं ने अपनी दस्तक देनी शुरू कर दी है। बिहार प्रान्त में महिलाओं को शिक्षा के लिए प्रेरित करने हेतु विद्यालय में पढ़ने वाली छात्राओं की मुफ्त विद्यालय शिक्षा एवं पोशाक, निःशुल्क साइकिल, निःशुल्क कराटे कराटे का प्रशिक्षण आदि की व्यवस्था की गई है। इससे बालिकाओं की शिक्षा के प्रति आम आकर्षण बढ़ा है। सूबे भर के ग्रामीण इलाकों में विद्यालयीय पोशाक में साइकिल पर सवार समय पर विद्यालय जाती लड़कियों को देखा जा सकता है।

अर्थशास्त्र

प्रश्न संख्या 17 से 20 तक लघु उत्तरीय प्रश्न हैं इनमें से किन्हीं दो का उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक निर्धारित हैं। 2 × 2 = 4

प्रश्न 17. राष्ट्रीय आय की गणना में होनेवाली कठिनाइयों का वर्णन करें।

उत्तर–राष्ट्रीय आय की गणना में आँकड़ों के एकत्रीकरण में कठिनाई होती है। मूल्य मापन की कठिनाई एवं दोहरी गणना भी संभव है।

प्रश्न 18. बिहार के आर्थिक पिछड़ेपन के क्या कारण हैं ? इसे दूर करने के उपाय बताइए।

उत्तर–बिहार के आर्थिक पिछड़ेपन के कारण–(i) तीव्र गति से बढ़ती जनसंख्या (ii) आधारित संरचना का अभाव, (iii) कृषि पर निर्भरता, (iv) बाढ़ एवं सूखे की समस्या, (v) औद्योगिक पिछड़ापन, (vi) गरीबी, (vii) खराब विधि व्यवस्था, (viii) कुशल प्रशासन का अभाव।

उपाय–(i) जनसंख्या नियंत्रण (ii) रोजगार सृजन, (iii) कुशल प्रबंधन की व्यवस्था, (iv) युवा वर्ग के पलायन पर रोक लगाना।

प्रश्न 19. उपभोक्ता के अधिकार से आप क्या समझते हैं ?

उत्तर–उपभोक्ता के अधिकार–(i) सूचना पाने का, (ii) चुनाव का, (iii) सुरक्षा का, (iv) क्षतिपूर्ति का।

प्रश्न 20. उपभोक्ताओं के शोषण के कौन-कौन से तरीके हैं ?

उत्तर–उपभोक्ताओं का शोषण निम्न तरीकों से होता है–

(i) माप-तौल में कमी, (ii) निर्धारित खुदरा मूल्य से अधिक मूल्य लेना, (iii) निम्न स्तर तथा समाप्ति की तिथि के बाद भी वस्तुओं का विक्रय, (iv) वस्तुओं में मिलावट, (v) वस्तुओं की गलत अथवा अधूरी जानकारी देना, (vi) सेवा की शर्तों के अनुसार उपभोक्ताओं को उपयुक्त सेवा नहीं देना, (vii) घरेलू उपकरणों और यंत्रों के उत्पादन में सुरक्षा मानकों का अनुपालन नहीं करना।

निर्देश :–प्रश्न संख्या 21 एवं 22 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं। इनमें से किसी एक का उत्तर दें ? प्रत्येक प्रश्न के लिए 4 अंक निर्धारित हैं। 1 × 4 = 4

प्रश्न 21. आर्थिक विकास क्या है ? आर्थिक वृद्धि में अन्तर बताइए।

उत्तर–आर्थिक विकास को हम आसानी से नहीं समझ सकते। कारण कि विद्वानों में इस विषय पर काफी मतभेद है। अतः इसका कोई एक सर्वमान्य परिभाषा देना कठिन है। लेकिन यह निश्चित है कि आर्थिक विकास आर्थिक नियोजन से ही हो पाता है। प्रो. टोस्टोन का कहना है कि "आर्थिक विकास एक ओर श्रमशक्ति में वृद्धि की दर है तथा दूसरी ओर जनसंख्या में वृद्धि के बीच का सम्बन्ध है। तात्पर्य यह कि देश या राज्य में उपलब्ध सम्पूर्ण श्रमशक्ति को उपयोग में लाने योग्य नियोजन को आर्थिक विकास कहते हैं।

आर्थिक विकास तथा आर्थिक वृद्धि में अन्तर–आर्थिक विकास तथा आर्थिक वृद्धि में कोई खास अंतर नहीं है। दोनों एक दूसरे के स्थान पर प्रयुक्त हो जाते हैं। इतना ही नहीं एक आर्थिक प्रगति भी है जो इन दोनों के लिए व्यवहरित होता है लेकिन यदि मैडुसीन ने जो बताया है उसपर हम ध्यान दें तो आर्थिक विकास तथा आर्थिक वृद्धि में किंचित अंतर भी दृष्टिगत होता है। उसके अनुसार जब विकासशील देश में आय का स्तर बढ़ता है और सम्पूर्ण श्रम शक्ति को नियोजित कर लिया जाता है तो इसे आर्थिक विकास (Economic Development) कहते हैं। वहाँ विकसित देशों में बढ़ता हुआ आय का स्तर आर्थिक वृद्धि (Economic Growth) कहलाता है।

प्रश्न 22. वस्तु-विनिमय प्रणाली की कठिनाइयों का वर्णन करें।

उत्तर–वैसे प्रणाली जिसमें एक वस्तु के बदले में दूसरी वस्तु आदान-प्रदान होता है, वस्तु-विनिमय प्रणाली कहलाती है।

उदाहरण के लिए, चावल से कपड़े बदलना, सब्जी से तेल बदलना आदि।

वस्तु-विनिमय प्रणाली की कठिनाइयाँ–वस्तु-विनिमय प्रणाली की निम्नलिखित कठिनाइयाँ हैं–

(i) आवश्यकता के दोहरे संयोग का अभाव–यह वस्तु-विनिमय प्रणाली की सबसे प्रमुख कठिनाई है। आवश्यकता के दोहरे संयोग का अर्थ होता है किसी एक की जरूरत दूसरे की जरूरत से मेल खा जाए। लेकिन

ऐसा संयोग से होता है, हमेशा नहीं जिससे विनिमय में काफी कठिनाई होती थी। उदाहरण के लिए, राम के पास जूते हैं और उसे कपड़े की आवश्यकता है, अब उसे किसी ऐसे व्यक्ति की खोज करनी होगी जिसके पास कपड़े हों और वह कपड़े के बदले में जूते लेने को तैयार हो जाए।

(ii) मूल्य के सामान्य मापक का अभाव–वस्तु-विनिमय प्रणाली की दूसरी बड़ी कठिनाई थी मूल्य के सामान्य मापक का अभाव। ऐसा कोई सर्वमान्य मापक नहीं था जिससे सभी प्रकार की वस्तुओं और सेवाओं के मूल्य को ठीक से मापा जा सके। उदाहरण के लिए एक सेर गेहूँ के बदले में कितना तेल दिया जाए? एक गाय के बदले में कितनी बकरियाँ दी जाएँ? इत्यादि।

(iii) मूल्य संचय का अभाव–इस प्रणाली में लोगों के द्वारा उत्पादित वस्तुओं के संचय की असुविधा थी। कुछ ऐसी वस्तुएँ भी होती हैं, जो शीघ्र नष्ट हो जाती हैं। ऐसी नष्ट होने वाली वस्तुएँ जैसे-मछली, फल, सब्जी इत्यादि को लम्बे समय तक संचय करके रखना कठिन था।

(iv) सह-विभाजन का अभाव–कुछ वस्तुएँ ऐसी होती हैं, जिनका विभाजन नहीं किया जा सकता है, जिनका विभाजन करने से उनकी उपयोगिता नष्ट हो जाएगी। वस्तु-विनिमय प्रणाली में कठिनाई उस वक्त होती है जब किसी ऐसी वस्तु के बदले में हमें तीन-चार वस्तुएँ चाहिए जिसका विभाजन नहीं किया जा सकता है।

भूगोल

प्रश्न संख्या 23 से 28 तक लघु उत्तरीय प्रश्न हैं? इनमें से किन्हीं तीन का उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक निर्धारित हैं।

$3 \times 2 = 6$

प्रश्न 23. नदी घाटी परियोजनाओं को बहुद्देशीय परियोजना क्यों कहा जाता है?

उत्तर–नदी घाटी परियोजनाओं के मुख्य उद्देश्य सिंचाई, बिजली उत्पादन, बाढ़ नियंत्रण, मत्स्य पालन, मृदा संरक्षण आदि हैं। अतः नदी घाटी परियोजनाओं के मुख्य उद्देश्य निम्न हैं–(i) ऊर्जा का उत्पादन-ये बहुउद्देशीय परियोजनाएँ हमें साफ, प्रदूषण मुक्त तथा सबसे सस्ती ऊर्जा प्रदान करती हैं जो उद्योग तथा कृषि के लिए रीढ़ की हड्डी है। (ii) ये मृदा संरक्षण करती हैं क्योंकि ये जल के बहाव को धीमा कर देती हैं। (iii) ये परियोजनाएँ सिंचाई के प्रमुख स्रोत हैं। (iv) इसका उद्देश्य नदी बेसिन में वृक्षारोपण है। (v) इसका उद्देश्य जल परिवहन की सुविधा का विकास करना है। (vi) इसके माध्यम से वन्य जीव संरक्षण तथा मत्स्य पालन संभव है। (vii) इसका उद्देश्य पीने के लिए पानी की सुविधा प्रदान करना हैं।

प्रश्न 24. बिहार के किस भाग में सिंचाई की आवश्यकता है और क्यों?

उत्तर–बिहार की कृषि मॉनसून पर निर्भर है। बाढ़ और सुखाड़ यहाँ की नियति है, यहाँ सिंचाई की समुचित व्यवस्था नहीं है। यहाँ सकल भूमि के मात्र 46 प्रतिशत पर ही सिंचाई हो पाती हैं, शेष भाग सिंचाई से वंचित रह जाता है। अतः बिहार में सभी भागों में सिंचाई की आवश्यकता है। यहाँ चार फसलें-भदई, अगहनी, रबी एवं गरमा लगाई जाती है। यहाँ की अधिकतर नदियाँ विनाशकारी बाढ़ के लिए प्रसिद्ध हैं। अतः यहाँ नहरों का जाल विछाकर बाढ़ पर काबू पाया जा सकता है एवं साथ-साथ सिंचाई की भी व्यवस्था की जा सकती है। बिहार की बढ़ती जनसंख्या के लिए अन्नोत्पादन हेतु सिंचाई की आवश्यकता है।

प्रश्न 25. कृषि आधारित उद्योग और खनिज आधारित उद्योग में अंतर स्पष्ट करें।

उत्तर–कृषि पर आधारित उद्योग–(i) इन उद्योगों को कच्चा माल कृषि से मिलता है। (ii) ये उद्योग ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर प्रदान करते हैं। (iii) ये अधिकतर उपभोग्य वस्तुओं का ही उत्पादन करते हैं। (iv) उदाहरण–चीनी, पटसन, वस्त्र तथा वनस्पति तेल आदि उद्योग।

खनिज पर आधारित उद्योग–(i) इन उद्योगों को कच्चा माल खनिज से मिलता है। (ii) ये उद्योग ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर प्रदान करते हैं। (iii) ये अधिकतर उपभोग्य वस्तुओं का ही उत्पादन करते हैं। (iv) उदाहरण–चीनी, पटसन, वस्त्र तथा वनस्पति तेल आदि उद्योग।

खनिज पर आधारित उद्योग–(i) इन उद्योगों को कच्चा माल खनिज से मिलता है। (ii) ये उद्योग ग्रामीण तथा शहरी दोनों क्षेत्रों में रोजगार प्रदान करते हैं। (iii) ये उपभोग तथा मूल्य पर आधारित दोनों प्रकार की वस्तुओं का उत्पादन करते हैं। (iv) उदाहरण–लोहा-इस्पात, इंजीनियरिंग उद्योग, पोत-निर्माण, मशीनी उपकरण आदि।

प्रश्न 26. स्थानिक ऊँचाई से आप क्या समझते हैं?

उत्तर–स्थानिक ऊँचाई–स्थानिक ऊँचाई विधि भी स्थलाकृतियों को प्रदर्शित करने की एक गणितीय विधि है। तल चिह्न की सहायता से किसी स्थान विशेष की मापी गई ऊँचाई को स्थानिक ऊँचाई (Spot Height) कहा जाता है। इस विधि में सर्वेक्षण द्वारा प्राप्त की गई समुद्र तल से किसी स्थान की वास्तविक ऊँचाई प्रकट की जाती है। इसमें उस क्षेत्र की ढाल को नहीं पढ़ा जा सकता है। इस विधि में बिन्दुओं के द्वारा मानचित्र में विभिन्न स्थानों की ऊँचाई को संख्या में लिख दिया जाता है।

प्रश्न 27. लौह एवं अलौह खनिजों में अन्तर स्पष्ट करें।

उत्तर–(क) लौह खनिज–जिन खनिजों में लौह अयस्क पाया जाता है, उन्हें लौह खनिज कहते हैं। लौह अयस्क, मैगनीज, निकल, कोबाल्ट आदि लौह खनिज के महत्वपूर्ण उदाहरण हैं।

(ख) अलौह खनिज–जिन खनिजों में लौह अयस्क के अतिरिक्त अन्य धातुएँ होती हैं उन्हें अलौह खनिज कहते हैं। ताँबा, सीसा, जस्ता तथा बॉक्साइट आदि अलौह खनिज के उदाहरण हैं।

प्रश्न 28. उद्योगों से प्रदूषण कैसे फैलता है?

उत्तर–उद्योग प्रदूषण का प्रमुख कारक है। उद्योगों में ऊर्जा संसाधन के प्रयोग से अर्थात् चिमनियों के धुएँ से वायु प्रदूषण फैलता है। इसमें प्रयुक्त जल तथा उद्योगों से निकलने वाले अपशिष्ट जलाशयों में प्रवाहित किए जाते हैं, जिससे विभिन्न प्रकार के रसायन जल में घुलनकर प्रदूषित करते हैं। इसे मृदा प्रदूषण व भूमि प्रदूषण भी फैलता है।

निर्देश–प्रश्न संख्या 29 से 30 तक दीर्घ उत्तरीय कोटि के प्रश्न हैं। इनमें से किन्हीं 1 प्रश्नों के उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न के लिए 4 अंक निर्धारित हैं।

$1 \times 4 = 4$

प्रश्न 29. "बिहार की जनसंख्या सभी जगह एक समान नहीं है।" स्पष्ट करें।

उत्तर–2001 की जनगणना के अनुसार राज्य की कुल जनसंख्या 8 करोड़ 29 लाख 98 हजार है जो देश की जनसंख्या का लगभग 8.07% है। आँकड़ों के अनुसार राज्य का जनसघनत्व व्यक्ति प्रति वर्ग किमी. है। राज्य के अंदर इस घनत्व में काफी भिन्नताएँ मिलती हैं। पटना में घनत्व 1471 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी. है। घनत्व की असमानता के आधार पर राज्य को पाँच भागों में बाँटा जा सकता है–

(i) अति निम्न घनत्व क्षेत्र–इसके अन्तर्गत पश्चिमी चम्पारण, बाँका, जमुई और कैमूर जिले हैं। यहाँ का जन घनत्व 600 व्यक्ति प्रति किमी. से कम है।

(ii) निम्न घनत्व वाले क्षेत्र–600-800 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी. जनसंख्या वाले क्षेत्रों में पूर्णिया, अररिया, नवादा, शेखपुरा, सुपौल, गया, किशनगंज, लक्खीसराय, रोहतास एवं औरंगाबाद जिले हैं।

(iii) मध्यम घनत्व वाले क्षेत्र : 800-1000 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी. जनघनत्व वाले ऐसे क्षेत्रों में चम्पारण, भागलपुर, जहानाबाद, अरवल, भोजपुर, सहरसा, खगड़िया, मधेपुरा, बक्सर एवं मुंगेर जिले शामिल हैं।

(iv) उच्च घनत्व वाले क्षेत्र : ऐसे क्षेत्र में जनसंख्या 1000-1200 व्यक्ति प्रति किमी. पाया जाता है जिसमें मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर गोपालगंज, मधुबनी एवं नालन्दा जिले शामिल हैं।

(v) अति उच्च घनत्व वाले क्षेत्र : इनमें पटना, दरभंगा, वैशाली, बेगूसराय, सीतामढ़ी एवं सारण (छपरा) शामिल हैं जहाँ जनघनत्व 1200 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी. से अधिक है। जनघनत्व संबंधी आँकड़ों से यह स्पष्ट होता है कि राज्य की अधिकांश आबादी 600-1000 व्यक्ति वर्ग किमी. जनघनत्व के दायरे में हैं परन्तु इनमें भी कुछ आंतरिक विषमताएँ पाई जाती हैं।

प्रश्न 30. बिहार की प्रमुख नदी-घाटी परियोजनाओं के संबंध में संक्षेप में लिखें।

उत्तर–बिहार की मुख्य नदी-घाटी परियोजनाओं के नाम निम्न हैं–

(i) **सोन नदी घाटी परियोजना :** यह परियोजना बिहार की सबसे पुरानी तथा पहली नदी घाटी परियोजना है। इस परियोजना का विकास अंगेज सरकार द्वारा 1874 ई. में हुआ। इसमें डेहरी के निकट से पूरब एवं पश्चिम की ओर नहरें निकाली गई हैं। इसकी कुल लम्बाई 130 किमी. है। इस नहर से पटना एवं गया जिले में कई शाखाएँ तथा उपशाखाएँ निकाली गई हैं जिससे औरंगाबाद, भोजपुर, बक्सर, रोहतास जिले की भूमि सिंचित की जाती है। वर्तमान में इससे कुल 4.5 लाख हेक्टेयर खेतों की सिंचाई की जाती है। सूखा प्रभावित क्षेत्र की सिंचाई की सुविधा प्राप्त होने में बिहार का दक्षिण-पश्चिम क्षेत्र का प्रति हेक्टेयर उत्पादन का व्यय बढ़ गया है और चावल की अधिक खेती होने लगी है। इस कारण से इस क्षेत्र को **चावल का कटोरा** कहते हैं।

(ii) **गंडक नदी घाटी परियोजना :** इस परियोजना का निर्माण गंडक नदी पर हुआ तथा इसका मुख्यालय वाल्मीकिनगर है। इस परियोजना द्वारा गंडक नदी क्षेत्र की विशाल भूमि पर सिंचाई तथा विद्युत उत्पादन होता है। इसमें मुख्यत: पूर्वी एवं पश्चिमी चम्पारण, भैंसालोटन (वाल्मीकिनगर), वीरपुर आदि के क्षेत्र आते हैं। परियोजना से पूर्व यह क्षेत्र गंडक की व्यापक विनाशकारी से संत्रस्त था। परियोजना के निर्माण के बाद इस क्षेत्र का सर्वतोमुखी विकास हुआ है।

(iii) **कोशी नदी घाटी परियोजना :** इस परियोजना का प्रारंभ 1995 में बिहार के पूर्वांचल क्षेत्र में किया गया। कोशी नदी द्वारा इस क्षेत्र में भयानक बाढ़ एवं तबाही आती थी। कोशी नदी निरन्तर अपनी धारा बदलती रहती थी। अत: इसे 'बिहार का शोक' कहते थे। परियोजना के निर्माण के पश्चात् कोशी नदी वरदान स्वरूप अपनी निर्मल धारा से कोशी क्षेत्र की समृद्धि में योगदान कर रही है। इसके अन्तर्गत पड़ने वाले क्षेत्र मुख्यत: पूर्णिया, मधेपुरा, सहरसा, अररिया, फारबिसगंज आदि अब निरंतर तीव्र विकास की ओर अग्रसर है। बिहार सरकार ने कोशी में नहरों तथा विद्युत उत्पादन की दिशा में व्यापक कार्य-योजना तैयार की है।

आपदा प्रबंधन (DISSASTER MANAGEMENT)

निर्देश–प्रश्न संख्या 31 से 34 तक लघु उत्तरीय प्रश्न है ? इनमें से किन्ही दो का उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक निर्धारित हैं।

$2 \times 2 = 4$

प्रश्न 31. भूस्खलन के कितने रूप होते हैं ?

उत्तर–''भूस्खलन'' का अर्थ है जमीन का धँसना, उसमें दरार पड़ना, उसमें गड्ढे हो जाना आदि। भूस्खलन प्राय: पहाड़ी क्षेत्रों में हुआ करता है। भारी हिमपात, मूसलाधार वृष्टि (अतिवृष्टि), पहाड़ी भूमि के अन्दर किसी प्रकार की हलचल आदि के कारण भूस्खलन की स्थिति उत्पन्न होती है। यह एक प्राकृतिक संकट है। इसमें प्राय: धन-जन की व्यापक क्षति होती है क्योंकि यह अप्रत्याशित होता है तथा इसको रोक पाने में मनुष्य अक्षम रहता है। प्रकृति-जनित यह आपदा कभी-कभी भू-पटल में बड़े परिवर्तन का कारण बनती है।

भूस्खलन के मुख्यत: चार रूप होते हैं–

(i) कंकड़-पत्थरों का खिसकना, (ii) वर्षा-जल के साथ मिट्टी तथा कंकड़-पत्थर का नीचे की ओर आना, (iii) पत्थर तथा उसके छोटे टुकड़ों का गिरना तथा (iv) चट्टानों का गिरना, जिसके फलस्वरूप व्यापक जान-माल की क्षति होती है।

प्रश्न 32. नागरिक सुरक्षा के क्या उद्देश्य हो सकते हैं ?

उत्तर–भूकम्प, सुनामी, बाढ़ आना, अगलगी (आग लगना) संक्रामक रोगों का फैलना जैसी प्राकृतिक आपदाओं, आकस्मिक संकटों तथा आसन्न दुर्घटनाओं से पीड़ित लोगों की जीवन रक्षा एवं सुरक्षा के लिए नागरिक सुरक्षा के उपाय करना अत्यन्त आवश्यक होता है। नागरिक सुरक्षा का उद्देश्य ही आपदा, दुर्घटना तथा आकस्मिक संकटों से निपटने के लिए समुचित सुरक्षा प्रदान करना है। ये कार्य स्वयंसेवी संस्थाएँ तो करती हैं, इसके साथ ही प्रत्येक प्रबुद्ध नागरिक का भी यह दायित्व बनता है कि वह समुचित सहायता एवं सहयोग प्रदान करे। हमें मिलजुल कर आपदा एवं संकटों से लड़ने का संकल्प लेना तथा इस प्रकार का संदेश देना आवश्यक है।

प्रश्न 33. आग लगने की स्थिति में क्या प्रबन्ध करना चाहिए ? उल्लेख करें।

उत्तर–आग लेने की स्थिति में प्रबन्धन की तीन बड़ी जिम्मेवारी होती है–

(i) आग में फँसे हुए लोगों को बाहर निकालना।

(ii) घायलों को तत्काल प्रारम्भिक उपचार, जैसे–(क) सबसे पहले उसके शरीर पर ठंडा पानी डालना, (ख) बर्फ से सहलाना तथा (ग) बरनोल जैसी प्राथमिक औषधि का उपयोग करना। प्राथमिक उपचार के पश्चात् उसे अस्पताल पहुँचाना।

(iii) आग के फैलाव को रोकना, जिसके लिए नजदीक में उपलब्ध बालू, मिट्टी तथा यदि निकट में तालाब हो तो उसके जल का उपयोग का आग बुझाने का प्रयास करना। झुग्गी-झोपड़ी को उखाड़ फेंकना तथा विद्युत लाइन को विच्छेदित करना परमावश्यक है। इसके साथ ही अग्नि शामक दल को तत्काल बुलाना चाहिए।

प्रश्न 34. भू-स्खलन क्या है ?

उत्तर–ऊँचे भू-भाग (पर्वतीय भाग) से भुकम्प, वर्षा आदि कारणों से चट्टान का टूटकर मिट्टी कंकड़-पत्थर व मलबे के साथ नीचे की ओर खिसकना या गिरना भू-स्खलन कहलाता है। इससे जान-माल का व्यापक नुकसान होता है। मार्ग में पड़ने वाले पेड़, मकान, पशु, सड़क आदि सभी टूटकर नीचे जाकर मलवे में दब जाते हैं। भूस्खलन एक प्राकृतिक आपदा है, लेकिन, मानवीय अनुक्रियाओं से ही यह संभव है। शिवालिक श्रेणी व पश्चिमी घाट इससे अत्यधिक प्रभावित क्षेत्र हैं।